


२३/११/१५

पत्रावली पेशद्वयी अधिवक्ता
पत्रावली के अक्लोकन में यह तथ्य
प्राचीं उपास्थित हैं। मूल दावे सामने
आया

पर बाजदायरी की निगरानी 

माननीय न्यायालय राजस्व मंडल,

अजमेर में विचारधीन हैं।

बाजदायरी की निगरानी में

दावे के Restoration के

बिन्दु को तय किया जाना

है। चूंकि इस शर्तना-पत्र

बाबत आस्थापी निषेधाज्ञा,



सहायक कलक्टर

जयपुर शहर प्रथम

फर्द अहकाम

मे० सीमेबल बनाम डोपदी

न्यायालय Acm IJ JPR

संख्या T-I- 79/2024

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष वि
23 ⁷ / ₂₅	<p>जो कि दवे का ही दखल दिला है, पर इक्तानुसार ही अग्रिम कार्यवाही की जानी है। इसलिए इस तरह पर प्रार्थना पत्र बाबत अस्थायी निषेधाज्ञा में सुनवाई का अंतित्य नहीं है। साथ ही आदेश -39 नियम 3-A, सी० प्र० सं० में प्रावधान है कि न्यायालय द्वारा जारी अंतरिम आदेश दिनांक 06.02.14 को बिना समुचित कारण आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। चूंकि मूलवाद पर बाध्यकारी निगरानी अधीन है, इसलिए इस प्रा० पत्र के अंतिम निर्णय में</p>	

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से
		<p>देरी होने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। अतः आदेश दिनांक 06.02.14 को भागे बढ़ाये जाने का औचित्य शेष नहीं होने से न्यायालय द्वारा जारी अंतिम आदेश दिनांक 06.02.14 को <i>discontinue</i> किया जाता है।</p> <p>सारतः पत्रावली पर आगामी कार्यवाही की बाजदायरी की निगरानी के अंतिम निस्तारण के पश्चात् ही किया जाना उचित होगा। इसलिए दावे पर बाजदायरी की निगरानी के अंतिम</p>

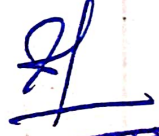
फर्द अहकाम

में सीमेंस बनाम डोपकी
ACM इष्ट JPR

यालय

या

T.I. 79/2024

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष
23 $\frac{7}{25}$	<p>निस्तारण तक अथवा पूर्ण पत्र पेश होने तक पत्रावली को दाखिल दफ्तर किया जाता है। पत्रावली दर्ज नम्बर ले कम हो।</p> <p style="text-align: right;"> सहायक कलक्टर जयपुर शहर प्रथम</p>	